कपड़ा मिलों का बंद किया जाना

7892. श्री अनन्तराय देवशंकर दवे :
श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार कुछ राज्यों में कुछ कपड़ा मिलों का बंद करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं ;

(ग) इन मिलों के बंद होने से प्रभावित होने वाले कर्मचारियों को वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए क्या प्रयास किये गये हैं ; और

(घ) उक्त प्रस्ताव के कारण प्रभावित हुये गुजरात के कर्मचारियों का ब्यौरा क्या हैं और क्या सरकार ने इस संबंध में राज्य सरकार से कोई बातचीत की हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) जी, नहीं ।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठते ।

New Textile Export Strategy

7893. SHRI GOPALSING G. SOLANKI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a readymade garment and textile export strategy is under Government's consideration;

(b) if so, the main features of new export strategy;

(c) by when it is likely to be finalised and announced; and

(d) what are the items likely to be included in the strategy alongwith handlooms and man-made fibres?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) to (d) No new export strategy for readymade garment and textile exports is under the consideration of the Government at present. However, based on the information received from our Missions abroad, analyses carried out by our Export Promotion Councils and suggestions received from the trade and industry, Government have been taking various steps from time to time to boost our export effort.

हस्तशिल्प और हथकरघा वस्तुओं के उत्पादन और विपणन के बीच समन्वय

7894. श्री आस मोहम्मद :
श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला :

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हस्तशिल्प और हथकरघा वस्तुओं के उत्पादन और विपणन के बीच समुचित समन्वय की कमी हैं ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है ; और

(ग) सरकार द्वारा इस दिशा में समुचित समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) तथा (ख) पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश में हस्तशिल्प तथा हथकरघा उत्पादों की बिक्री तथा उनके निर्यात में कई गुना वृद्धि हुई हैं, जिससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि इन उत्पादों के उत्पादन तथा विपणन में पर्याप्त तालमेल है ।

(ग) हस्तशिल्प तथा हथकरघा मदों के उत्पादन तथा विपणन में उचित सामंजस्य सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने अनेक कार्यक्रम तथा योजनाएं कार्यान्वित की हैं, जिनमें क्षेत्रीय डिजाइन एवं तकनीकी विकास केन्द्रों, बुनकर सेवा केन्द्रों आदि के माध्यम से डिजाइन संवर्धन तथा उत्पाद विकास करना, शिल्पा हथकरघा विकास केन्द्र तथा बिक्री आऊटलेट्स स्थापित

करना, शिल्प बाजार मेले, प्रदर्शनी, बाजार बैठकें, उत्पाद संवर्धन कार्यक्रम, हथकरघा एक्सपो, मिनी स्तर के एक्सपो आयोजित करना, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले / प्रदर्शनियों में भाग लेना, विदेशों में बिक्री-सह-अध्ययन दल प्रायोजित करना, अखिल भारतीय कालीन व्यापार मेले तथा भारतीय हस्तशिल्प तथा गिफ्ट फेयर आदि का आयोजन करना शामिल है ।

राष्ट्रीय वस्त्र निगम की मिलों के घाटे को नियंत्रित करने हेतु उपाय

7895 **श्री संघ प्रिय गौतम** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय वस्त्र निगम के घाटे को पूरा करने के लिए धनराशि प्रदान करने वाली एजेंसियों के नाम क्या-क्या हैं ;

(ख) क्या सरकार ने राष्ट्रीय वस्त्र निगम को हो रहे घाट के संदर्भ में एक समिति गठित की है, जो घाटे को नियंत्रित करने के लिए अपने सुझाव देगी और साथ ही इसके कार्यकरण के संबंध में भी दिशा निर्देश देगी ;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(घ) राष्ट्रीय वस्त्र निगम को हो रहे भारी घाटे को देखते हुए निगम वर्ष 1995-96 के दौरान तथा उसके बाद अपने कामगारों के भविष्य हेतु धनराशि की व्यवस्था किस प्रकार करेगा ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) सरकार नेशनल टेक्सटाइल्स कारपोरेशन को मजदूरियों/वेतन और बोनस का भुगतान करने के लिए निधियां प्रदान कर रही है ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) सरकार, एन० टी० सी० को उस समय तक मजदूरियों तथा वेतन का भुगतान करने के लिए आवश्यक निधियां प्रदान करेंगी जब तक कि वह स्वयं निधियों में से भुगतान करने में सक्षम नहीं हो जाता ।

Yarn supplied to wavers at subsidised rates

7896. SHRI V. NARAYANASWAMY: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item appearing in 'The Times of India' dated the 8th April, 1995 stating that employment in the handloom sector registered an increase to the tune of 12.5 million persons in 1993-94 from 11.2 million persons in 1992-93 thereby showing an increase of 12 percent; and

(b) if so, the quantity of yarn supplied at subsidised rate during the last year to the weavers, state-wise?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) Yes, Sir.

(b) Quantity of yarn supplied at subsidised rate during last year for the weavers is as under:—

Name of the State	**Quantity** *(in lakh kgs.)*
Andhra Pradesh	14.25
Assam	5.08
Bihar	1.22
Gujrat	1.54
Jammu & Kashmir	0.22
Haryana	0.05
Karnataka	18.00
Kerala	5.00
Madhya Pradesh	2.84
Maharashtra	2.35